



कृषि विज्ञान केन्द्र, गाजियाबाद

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ



कृषि तकनीकी पंचांग - 2023



संरक्षक : डा० के.के. सिंह, कुलपति स.व.प.कृ.एवं प्रौ. वि.वि. मेरठ

दिशा-निर्देशक : डा० पी.के. सिंह, निदेशक प्रसार स.व.प.कृ.एवं प्रौ. वि.वि. मेरठ



मई 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
1 एकादशी	2 द्वादशी	3 त्रयोदशी	4 चतुर्दशी	5 पूर्णिमा	6 प्रतिपदा	
7 द्वितीय	8 तृतीय	9 चतुर्थी	10 पंचमी	11 षष्ठी	12 सप्तमी	13 अष्टमी
14 दशमी	15 एकादशी	16 द्वादशी	17 त्रयोदशी	18 चतुर्दशी	19 अमावस्या	20 प्रतिपदा
21 द्वितीय	22 तृतीय	23 चतुर्थी	24 पंचमी	25 षष्ठी	26 सप्तमी	27 सप्तमी
28 अष्टमी	29 नवमी	30 दशमी	31 एकादशी			

जून 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
					1 द्वादशी	2 त्रयोदशी
					3 चतुर्दशी	
4 पूर्णिमा	5 प्रतिपदा	6 तृतीय	7 चतुर्थी	8 पंचमी	9 षष्ठी	10 सप्तमी
11 अष्टमी	12 नवमी	13 दशमी	14 एकादशी	15 द्वादशी	16 त्रयोदशी	17 चतुर्दशी
18 अमावस्या	19 प्रतिपदा	20 द्वितीय	21 तृतीय	22 चतुर्थी	23 पंचमी	24 षष्ठी
25 सप्तमी	26 अष्टमी	27 नवमी	28 दशमी	29 एकादशी	30 द्वादशी	

यू.एम.एम.बी.- पशु चॉकलेट/लड्डू

तकनीक : दुधारू पशुओं में खनिज तत्वों तथा विटामिनो की कमी के कारण रिपीट ब्रीडिंग, ग्रन-ओएस्ट्रम, गर्मी में न ग्राना तथा बांझपन की समस्या बढ़ती जा रही है। उपरोक्त समस्याओं के निदान एवं बचाव के लिए पशु चॉकलेट-यूरिया शीरा खनिज ब्लॉक का प्रयोग प्रभावकारी तकनीकी सिद्ध हो रही है।

संगठन			
• शीरा - 40%	• यूरिया - 10%	• सोडियम बेन्जोएट - 2-3%	• ग्वार गम - 1-2%
• चोकर - 39%	• सोमेट - 5-6%	• कैल्शियम ऑक्साइड - 2%	• खनिज मिश्रण - 2%



प्रयोग विधि : पशुओं की खोर में चाटने के लिए रख दें। एक चॉकलेट प्रति पशु एक सप्ताह के लिए पर्याप्त होती है।

उपयोगिता :

- हारमोन सन्तुलन बनाये रखने में सहायक
 - बांझपन निवारण में सहायक
 - रूमेन सूक्ष्मजीवी सक्रियता बढ़ाने में सहायक
 - पशुओं को निरन्तर उर्जा एवं प्रोटीन की उपलब्धता
- आर्थिकी - एक पशु चॉकलेट की कीमत रु 80/- प्रति पशु प्रति सप्ताह आंकलित है जिससे प्रति दिन लगभग 1 किलो रातिब रु 30X7 = रु210 को प्रतिस्थापित किया जा सकता है। अतः शुद्ध बचत रु 130/- हो सकती है।

पशुओं में घरेलू स्तर पर खनिज मिश्रण सम्पूर्ण

पशुओं में हरे चारे एवं सन्तुलित पशु आहार के अभाव के कारण खनिज तत्वों एवं विटामिनो की कमी हो जाती है, फलस्वरूप पशु बांझपन एवं कम गर्भधारण दर की समस्या उत्पन्न हो रही है। केन्द्र द्वारा घरेलू स्तर पर पशु खनिज मिश्रण का संयोजन विकसित एवं परीक्षित किया गया है।

संगठन		
• खड़िया मिट्टी - 5 किग्रा.	• हल्दी - 300 ग्रा.	• अजवाईन - 250 ग्रा.
• नमक - 1 किग्रा.	• जौरा - 250 ग्रा.	• हरड़ - 100 ग्रा.
• काला नमक - 500 ग्रा.	• मेथी - 250 ग्रा.	• नीम के सूखे पत्ते - 100 ग्रा.



बनाने की विधि : उपयुक्त समस्त सामग्री को अच्छी तरह पीसकर मिश्रित कर लें तथा किसी हवाबन्द बर्तन में रख लें।

मात्रा एवं देने की विधि : दुधारू बड़े पशुओं को 60-70 ग्रा. तथा छोटे पशुओं को 30-40 ग्रा. मात्रा चारे पर डालकर या राबित में मिलाकर पशु को खिलायें।

उपयोगिता :

- पशुओं में सही समय पर गर्मी में आने से गर्भ धारण दर वृद्धि।
- पशुओं में अफारा, दस्त एवं कब्ज से बचाव।
- मादा पशुओं में बेल निकलने की समस्या से बचाव।
- प्रतिदिन रु 2-3 की अतिरिक्त लागत से लगभग 1 ली. दुग्ध उपज प्रति पशु वृद्धि।

“कड़कनाथ” अद्भुत देशज मुर्गी प्रजाति

उद्देश्य : अण्डा एवं मांस (द्विउद्देशीय)
मूल स्थान : मध्यप्रदेश का धार-झाबुआ जनजातीय क्षेत्र
उपनाम : काला मुर्गा, काली मासी
उपयुक्तता : सभी प्रकार की जलवायु क्षेत्र में उपयुक्त
विशेषता : अत्याधिक रोग रोधक क्षमता, उच्च औषधीय पोषक मान के कारण मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग एवं पक्षाघात हेतु विशेष लाभप्रद



कड़कनाथ एवं सामान्य प्रजाति तुलनात्मक विवरण

क्र.	घटक/पोषक तत्व	कड़कनाथ	सामान्य प्रजाति (द्विउद्देशीय)
1	प्रोटीन %	25	18-20
2	वसा %	0.72 - 1.5	13-25
3	कोलस्ट्रॉल %	184 mg/100 gm	218 mg/100gm
4	लिनोलिक अम्ल %	24	21
5	विटामिन 'बी' स्तर %	उच्च	चागण्य
6	खनिज तत्व स्तर	उच्च	निम्न
7	जीवन अवधि	10-12 वर्ष	1-3 वर्ष
8	अण्डा उत्पादन (प्रति मुर्गी/वर्ष)	130 से 150	320 से 340
9	अण्डा कीमत	रु 25 से 70 प्रति	रु 3 से 5 प्रति
10	मांस कीमत	रु 500-1200 प्रति कि.	रु 60-120 प्रति कि.



एकीकृत मत्स्य पालन

- मोड्यूल 1 : तालाब निर्माण
मोड्यूल 2 : तालाब में मत्स्य बीज संचय से पहले प्रबंधन
मोड्यूल 3 : मत्स्य बीज संचय के समय प्रबंधन
मोड्यूल 4 : मत्स्य बीज संचयन के उपरांत प्रबंधन



डॉग/काऊ फोल्डेड मूवेबल केज



विशेष आभार : श्री संजीव कुमार गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक

वित्तीय सहयोग : प्रोफेशनल कॉमटेक प्रा० लि०





कृषि विज्ञान केन्द्र, गाजियाबाद



सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ

कृषि तकनीकी पंचांग - 2023



संरक्षक : डा० के.के. सिंह, कुलपति स.व.प.कृ.एवं प्रौ. वि.वि. मेरठ

दिशा-निर्देशक : डा० पी.के. सिंह, निदेशक प्रसार स.व.प.कृ.एवं प्रौ. वि.वि. मेरठ



जुलाई 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
30 द्विदशी	31 त्रयोदशी					1 चतुर्विंशती
2 पंचमी	3 षष्ठी	4 सप्तमी	5 अष्टमी	6 नवमी	7 दशमी	8 एकादशी
9 द्वादशी	10 त्रयोदशी	11 चतुर्विंशती	12 पंचमी	13 षष्ठी	14 सप्तमी	15 अष्टमी
16 नवमी	17 दशमी	18 एकादशी	19 द्वादशी	20 त्रयोदशी	21 चतुर्विंशती	22 पंचमी
23 षष्ठी	24 सप्तमी	25 अष्टमी	26 नवमी	27 दशमी	28 एकादशी	29 द्वादशी

अगस्त 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
		1 पूर्णिमा	2 प्रतिपदा	3 द्वितीय	4 तृतीय	5 चतुर्थी
6 पंचमी	7 षष्ठी	8 सप्तमी	9 अष्टमी	10 नवमी	11 दशमी	12 एकादशी
13 द्वादशी	14 त्रयोदशी	15 चतुर्विंशती	16 पंचमी	17 षष्ठी	18 सप्तमी	19 अष्टमी
20 नवमी	21 दशमी	22 एकादशी	23 द्वादशी	24 त्रयोदशी	25 चतुर्विंशती	26 पंचमी
27 षष्ठी	28 सप्तमी	29 अष्टमी	30 नवमी	31 दशमी		

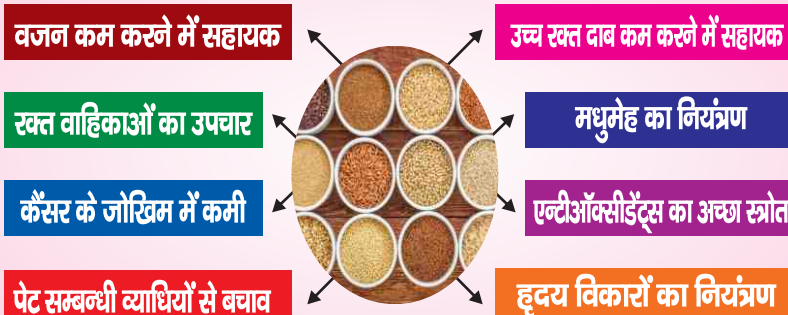
अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023

पोषक तत्वों से भरपूर मोटा अनाज खाओ जरूर
ज्वार रागी और बाजरा, अच्छे स्वास्थ्य का यही सहारा

मोटे अनाजों का पोषक मान

अनाज	कार्बोहाइड्रेट (g)	प्रोटीन (g)	वसा (g)	ऊर्जा (Kcal)	कच्चा रेशा (g)
बाजरा	67.5	11.6	5.0	361	1.2
ज्वार	72.6	10.4	1.9	349	1.6
सांवा	65.5	6.2	2.2	307	9.8
कुटकी	67.0	7.7	4.7	341	8.1
कंगनी	60.9	12.3	4.3	331	8.0
चेना	70.4	12.5	1.1	341	2.2
कोदो	65.9	8.3	1.4	309	10.0
रागी	72.0	7.3	1.3	328	3.6

मोटे अनाजों उपयोगिता/स्वास्थ्य लाभप्रदता



कृषि विज्ञान केन्द्र की सहभागिता एवं प्रभाव

कृषकों एवं ग्रामीण महिलाओं को मोटे अनाज के प्रतिजागरूक करने हेतु केन्द्र द्वारा समय-समय पर गोष्ठी, प्रशिक्षण, नारी प्रोग्राम, महिला अध्ययन आदि प्रोग्राम के माध्यम से जागरूकता लाने का प्रयास किया, एवं प्रसार प्रशिक्षण के अन्तर्गत आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को गोष्ठी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया, जिससे गाँव में प्रसार हो सके।

बाँयो फोर्टीफाइड किरमों - उच्च पोषक मान

कुपोषण निवारण का टिकाऊ समाधान

क्र.सं.	फसल का नाम	बाँयो फोर्टीफाइड किरम	विशेषता
1.	धान	1. सी.आर. धान-310 2. डी.आर.आर. धान-45	प्रोटीन प्रचुरता (10.3%) जिंक प्रचुरता (22.6 पी.पी.एम.)
2.	गेहूँ	1. डब्लू बी-02 2. एच.पी.बी.डब्लू-01	जिंक (42 पी.पी.एम.) लौह (40) जिंक (40.6 पी.पी.एम.) लौह (40)
3.	मक्का	1. पूसा विवेक क्यू.पी.एम. 9 2. पूसा एच.एम. 4 3. पूसा एच.एम. 8	प्रोविटामिन ए (8.15 पी.पी.एम.) लाइसिन (2.67%) ट्रिप्टोफेन (0.74%) लाइसिन (3.62%) ट्रिप्टोफेन (0.91%) लाइसिन (4.18%) ट्रिप्टोफेन (1.06%)
4.	बाजरा	1. एच.एच.बी. 299 2. एच.ओ. 1200	जिंक (41 पी.पी.एम.) लौह (73) लौह (73 पी.पी.एम.)
5.	मसूर	1. पूसा अगेती मसूर	लौह (65 पी.पी.एम.)
6.	सरसों	1. पूसा मस्टर्ड 30 2. पूसा डबल जीरो मस्टर्ड 31	इसोसैलिक अम्ल न्यूनता (<2.0%) इसोसैलिक अम्ल न्यूनता (<2.0%) ग्लूको सिनोलेट्स न्यूनता (<30 पी.पी.एम.)
7.	फूल गोभी	1. पूसा बीटा केसरी-1	उच्च बीटा कैरोटिन (8-10 पी.पी.एम.)
8.	शकरगन्ध	1. बी.एच.यू. कृष्णा	उच्च एन्थोसायनिन (90 mg)
9.	अनार	1. शोलापुर लाल	उच्च विटामिन C (19 mg) उच्च जिंक (0.6 mg) उच्च लौह (6.1 mg)



विशेष आभार : श्री संजीव कुमार गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक

वित्तीय सहयोग : प्रोफेशनल कॉमटेक प्रा० लि०





कृषि विज्ञान केन्द्र, गाजियाबाद

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ



कृषि तकनीकी पंचांग - 2023



संरक्षक : डा० के.के. सिंह, कुलपति स.व.प.कृ.एवं प्रौ. वि.वि. मेरठ

दिशा-निर्देशक : डा० पी.के. सिंह, निदेशक प्रसार स.व.प.कृ.एवं प्रौ. वि.वि. मेरठ



सितम्बर 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
					1 द्वितीय	2 तृतीय
3 चतुर्थी	4 पंचमी	5 षष्ठी	6 सप्तमी	7 अष्टमी	8 नवमी	9 दशमी
10 एकादशी	11 द्वादशी	12 त्रयोदशी	13 चतुर्दशी	14 अमावस्या	15 अमावस्या	16 प्रतिपदा
17 द्वितीय	18 तृतीय	19 चतुर्थी	20 पंचमी	21 षष्ठी	22 सप्तमी	23 अष्टमी
24 नवमी	25 दशमी	26 द्वादशी	27 त्रयोदशी	28 चतुर्दशी	29 पूर्णिमा	30 प्रतिपदा

अक्टूबर 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
1 द्वितीय	2 तृतीय	3 पंचमी	4 षष्ठी	5 सप्तमी	6 सप्तमी	7 अष्टमी
8 नवमी	9 दशमी	10 एकादशी	11 द्वादशी	12 त्रयोदशी	13 चतुर्दशी	14 अमावस्या
15 प्रतिपदा	16 द्वितीय	17 तृतीय	18 चतुर्थी	19 पंचमी	20 षष्ठी	21 सप्तमी
22 अष्टमी	23 नवमी	24 दशमी	25 एकादशी	26 द्वादशी	27 त्रयोदशी	28 पूर्णिमा
29 प्रतिपदा	30 द्वितीय	31 तृतीय				



नव विकसित (स्टार्ट अप) कृषि उपकरण



लोकल फॉर वोकल



मल्टी ट्री कलार्डम्बर



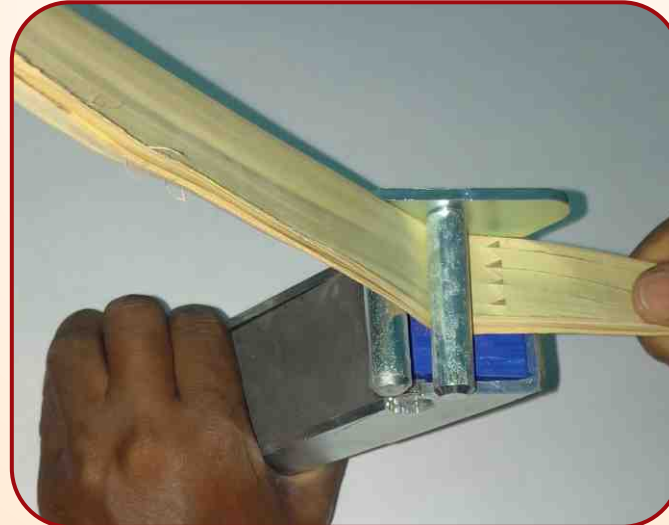
डी हस्किंग मशीन



डॉग/काऊ फोल्डेड मूवेबल केज



शुगर केन बड चिप्पर



पाम लीफ स्प्लीटर



टेंडर कोकोनट ओपनर

उपलब्धता हेतु सम्पर्क करें

प्रोफेशनल कॉमटेक प्रा० लि०, कविनगर, गाजियाबाद

मो० : 9810070396



विशेष आभार : श्री संजीव कुमार गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक

वित्तीय सहयोग : प्रोफेशनल कॉमटेक प्रा० लि०





कृषि विज्ञान केन्द्र, गाजियाबाद



सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ

कृषि तकनीकी पंचांग - 2023



संरक्षक : डा० के.के. सिंह, कुलपति स.व.प.कृ.एवं प्रौ. वि.वि. मेरठ

दिशा-निर्देशक : डा० पी.के. सिंह, निदेशक प्रसार स.व.प.कृ.एवं प्रौ. वि.वि. मेरठ



नवम्बर 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
			1 चतुर्थी	2 पंचमी	3 षष्ठी	4 सप्तमी
5 अष्टमी	6 नवमी	7 दशमी	8 दशमी	9 एकादशी	10 द्वादशी	11 त्रयोदशी
12 चतुर्विंशती	13 अमावस्या	14 प्रतिपदा	15 द्वितीय	16 तृतीय	17 चतुर्थी	18 पंचमी
19 षष्ठी	20 अष्टमी	21 नवमी	22 दशमी	23 एकादशी	24 द्वादशी	25 त्रयोदशी
26 चतुर्विंशती	27 पूर्णिमा	28 प्रतिपदा	29 द्वितीय	30 तृतीय		

दिसम्बर 2023

रवि SUN	सोम MON	मंगल TUE	बुध WED	गुरु THU	शुक्र FRI	शनि SAT
31 चतुर्थी					1 चतुर्थी	2 पंचमी
3 षष्ठी	4 सप्तमी	5 अष्टमी	6 नवमी	7 दशमी	8 एकादशी	9 द्वादशी
10 द्वादशी	11 त्रयोदशी	12 अमावस्या	13 प्रतिपदा	14 द्वितीय	15 तृतीय	16 चतुर्थी
17 पंचमी	18 षष्ठी	19 सप्तमी	20 अष्टमी	21 नवमी	22 दशमी	23 एकादशी
24 त्रयोदशी	25 चतुर्विंशती	26 पूर्णिमा	27 प्रतिपदा	28 द्वितीय	29 तृतीय	30 चतुर्थी

मृदा परीक्षण की आवश्यकता एवं मृदा नमूना लेने की विधि

मृदा उर्वरता की सही स्थिति का पता लगाने के लिए मृदा परीक्षण ही सर्वश्रेष्ठ एवं भरोसेमंद विकल्प है। कम लागत में उत्पादन प्राप्त करना है तो यह आवश्यक है कि किसान भाई अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण अवश्य करावें तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड की अनुशंसा के अनुरूप फसलों में एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन अपनाकर पोषक तत्वों की मात्रा दें।

मृदा परीक्षण के उद्देश्य :

- मिट्टी से ग्रहण किये जाने वाले विभिन्न पोषक तत्वों की उपलब्ध मात्रा ज्ञात करने के लिये।
- भूमि की उर्वरा शक्ति की जानकारी के लिए।
- ऊसर व क्षारीय आदि समस्याओं की जानकारी अथवा इनके निवारण के लिए।



मृदा नमूना लेने की विधि :

खेत को मिट्टी की बनावट, ढाल और उत्पादकता के आधार पर बांट लें। पेड़ के पास, सड़क के किनारे व नाली के पास से मृदा नमूना नहीं लेना चाहिए। प्रत्येक खेत का आकार 1 एकड़ से अधिक न रखें। फसलों के लिए ऊपरी सतह 6 इंच से पहले से निशान लगाये गये 8-10 स्थानों से नमूना लें। सतह से नमूना लेने के लिए खुरपी या कस्सी की सहायता से 'V' आकार का गड्ढा 6 इंच गहराई तक बनायें तथा किनारे से एक इंच मोटी परत लें। सामान्यतः लवणीय, क्षारीय एवं अम्लीय मृदाओं की जांच हेतु नमूना 20 सेमी 0 तक ही गहराई से लिया जाता है।

उर्वरक उपयोग मात्रा

फसल	पोषक तत्वों की वैज्ञानिक संस्तुति (कि.ग्रा./हे.)	उर्वरक की मात्रा कि.ग्रा./बीघा						विशेष उर्वरक की मात्रा कि.ग्रा./बीघा		
		नत्रजन	फास्फोरस	पोटाश	डी.ए.पी.	एम.ओ.पी.	यूरिया	प्रथम	द्वितीय	जिंक (21%)
धान - बासमती	120	60	60	9	7	5	5	5	2	-
धान - सामान्य	120	60	60	9	7	6	6	5	2	-
मूंग/उई	15	40	20	6	2	-	-	-	1.5	-
गैहू - समय से	150	75	50	11	6	5	7.5	6	2	1.5
गैहू - विलम्ब से	120	60	40	9	4.5	5	5	5	1.5	1.5
सरसों	120	60	40	9	4.5	5	5	5	-	2.0
मसूर	20	50	20	7.5	2	-	-	-	-	1.0
गन्ना-ससलकालीन	150	75	60	11	7	6	6	6	2	1.5
गन्ना-शरदकालीन	180	80	75	12	8.5	6	8	6	2	1.5

संरक्षित खेती - उद्यान की नई तकनीक

संरक्षित खेती में पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस आदि में पौधों के अनुकूल वातावरण तैयार कर के फसलों की खेती की जाती है। संरक्षित खेती में विपरीत मौसम जैसे पाला, कोहरा, ओला, वर्षा, ठंडी एवं गर्म हवाओं से पौधों का बचाव होता है। खरपतवारों की रोकथाम के लिए भूमि की सतह पर धान की पुआल से मल्टिचिंग की जाती है। इससे पौधों का भी बचाव होता है।



संरक्षित खेती के प्रकार -

- पॉलीहाउस में खेती
- प्लॉस्टिक लो टनल खेती
- कीट अवरोधी नेटहाउस खेती
- प्लॉस्टिक हाई टनल खेती
- छायादार नेटहाउस खेती
- प्लॉस्टिक मल्टिचिंग खेती

संरक्षित खेती के फायदे

- फसलों में रोग एवं कीटों का प्रकोप कम हो जाता है।
- जंगली जानवर एवं अन्य पशुओं से फसलों की रक्षा होती है।
- वातावरण को नियंत्रण कर के सभी मौसम में सब्जियों की खेती की जा सकती है।
- सिंचाई के समय पानी की बचत होती है।
- संरक्षित खेती से फसलों की पैदावार में वृद्धि होती है।
- उच्च गुणवत्ता की फसल प्राप्त होती है।
- फूलों एवं सब्जियों की नर्सरी तैयार कर के पौधों की बिक्री भी कर सकते हैं।
- बाजार मांग एवं अपनी पसंद के अनुसार सब्जियों एवं फसलों का चयन कर सकते हैं।

कीट अवरोधी नेट हाउस में पौध उत्पादन का फसल चक्र

क्र.सं.	फसल का नाम	पौध बुवाई का समय	पौध उत्पादन का उद्देश्य
1.	अमैती फूलगोभी	20 मई-20 जून (40 प्रतिशत छाया करने वाले काले रंग की जाली)	भू-जनित रोग रोगों को कम करके स्वस्थ पौध तैयार करना
2.	टमाटर	15 जून-15 जुलाई	विषाणु रोग मुक्त एवं स्वस्थ
3.	मिर्च	15 जून-15 जुलाई	विषाणु रोग मुक्त एवं स्वस्थ
4.	शिमला मिर्च	15 अगस्त-15 सितम्बर	विषाणु रोग मुक्त एवं स्वस्थ
5.	टमाटर, मिर्च, बैंगन	15 दिसम्बर-30 दिसम्बर	कम तापमान पर स्वस्थ पौध तैयार करना
6.	बेल वाली सब्जियाँ	25 दिसम्बर-10 जनवरी	बे मौसमी प्लग ट्रे के उपयोग से पौध तैयार करना

संकलन एवं मुख्य सम्पादन

- डा० अरविन्द कुमार, 9410443028
प्रभारी अधिकारी
- डा० प्रमोद कुमार, 8630295699
पशु विज्ञान वैज्ञानिक/नोडल अधिकारी प्राकृतिक खेती

सह-सम्पादन

- श्रीमती अनिता यादव, गृह वैज्ञानिक 7599089053
- डा० अनन्त कुमार, उद्यान वैज्ञानिक 9837559055
- डा० डी.के. सचान, सस्य वैज्ञानिक 8076973093
- श्रीमती आकांक्षा सिंह, मृदा वैज्ञानिक 8127689583
- डा० तुलसा रानी, मृदा परीक्षण वैज्ञानिक 9675000947

सहयोग

- श्री पुष्पेन्द्र कुमार राठी, कम्प्यूटर प्रोग्रामर
- श्री पी.के. अग्रवाल, कार्यालय अधीक्षक/लेखाकार
- डा० राकेश कुमार, फार्म मैनेजर
- श्री संजीव कुमार, क्लर्क
- श्री कंवरपाल
- श्री नीरज कुमार

सम्पर्क स्थल : कृषि विज्ञान केन्द्र, मुरादगाम पुरसी, ऑर्डिनेन्स फैक्ट्री के पीछे, मुरादनगर, गाजियाबाद (उ.प्र.) - 201206

विशेष आभार : श्री संजीव कुमार गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक

वित्तीय सहयोग : प्रोफेशनल कॉमटेक प्रा० लि०

